

संख्या- ०३ /१५-७-०३ - १६। १० ८/२००४

प्रेषक,

प्रधान प्रबोधन संघ
विद्युत विभाग
उत्तराखण्ड प्रदेश सरकार ।

सेवा में,

प्रधान प्रबोधन संघ
विद्युत विभाग
उत्तराखण्ड प्रदेश सरकार ।

शिक्षा १७५ अनुभाग

लखनऊ: दिनांक २० अग्र. २००५

विषय:- श्रृंगेराजाद्वारा वीचार कराये रखा गया और उत्तराखण्ड प्रदेश सरकार द्वारा इसका विवरण दिया जाए।

महोदय,

उपर्युक्त विषय की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि उक्त संदर्भित विद्यालय को **श्री॒०३०४०३०५** नईदिल्ली से संबंध देते अनापत्ति प्रमाण पत्र दिये जाने में इस राज्य सरकार को निम्नलिखित प्रतिबंधों के अधीन आपत्ति नहीं है :-

- १। विद्यालय की पंजीकृत सोसायटी का समय-समय पर नवीनीकरण कराया जायेगा ।
- २। विद्यालय की पुर्बंध समिति में शिक्षा निदेशक द्वारा नाप्रिय एक सदस्य होगा ।
- ३। विद्यालय में कम से कम १० प्रतिशत अनुसूचित जाति/जनजाति के भेदावी बच्चों के लिए शुरू प्राप्ति रहेंगे और उनसे उपर्युक्त प्राध्यायिक शिक्षा परिषद/बोर्डिंग की विभिन्न कक्षाओं के लिए निर्धारित शुल्क से अधिक शुल्क नहीं लिया जायेगा ।
- ४। संस्था द्वारा राज्य सरकार से किसी अनुदान की प्राप्ति नहीं की जायेगी और यह पूर्व में विद्यालय प्राध्यायिक शिक्षा परिषद अंथवा बोर्डिंग की विद्यालय की संबंधित केन्द्रीय प्राध्यायिक शिक्षा परिषद/कौंसिल फार दि इण्डियन स्कूल सर्टीफिकेट इक्यामिनेशन नईदिल्ली से प्राप्त होती है तो उस परीक्षा वर्ष से उक्त केन्द्रीय परिषदों की संबंधित प्राप्ति होने की तिथि से उपर्युक्त प्राध्यायिक शिक्षा परिषद द्वारा प्राप्ति मान्यता तथा राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान स्वतः समाप्त हो जायेगे ।

- 15। संस्था के ऐक्षिक एवं शिक्षोत्तर लंबारियों ने राजीव सदायता प्राप्ति विधा तंत्याओं के लंबारियों जो उन्मन्य वेतनमानों तथा अन्य भत्तों ते दा वेतनमान तथा अन्य भत्ते नहीं होये जायें ।
- 16। कंपारियों की देवा गते बाही जायेगी और उन्हें सदायता प्राप्ति जगासाडीय उच्चतर माध्यमिक विधानयों के लंबारियों जो उन्मन्य देवा-निवृत्ति का ताम उपलब्ध रहते जायें ।
- 17। राज्य सरकार द्वारा साम्य-सम्य पर जो भी ग्राहेगा निर्भीत होये जायें तंत्या उनका पातन करेगी ।
- 18। विधानय का रिळाई निधाईत प्रफल/पंचिकारों में रखा जायेगा ।
- 19। उक्त शतों में राज्य सरकार श्रेष्ठानुभोदन के किंतु जोई परिवर्तन/तंगोपन/परिवर्तन नहीं किया जायेगा ।

उक्त प्रतिक्षेपों का पातन इन्होंने तंत्या के लिए उन्निवार्य होगा और पर्टि किसी सम्प्र पड़ पापा जाता है कि तंत्या द्वारा उक्त प्रतिक्षेपों का पातन नहीं किया जा रहा है जबका पातन करने खे किसी प्रकार की वृद्ध पा शिक्षिता घरती जा रही है तो राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त उनापत्ति प्रमाण पत्र वापस ते लिया जायेगा ।

भर्तीय,

मिशन इन्डिया इन्डिया
श्रेष्ठानुभोदन

पूर्वोपर्व दिनांक तैय

प्रतिलिपि निम्नलिखित को शुधनार्थ एवं आवश्यक लार्वाही देहु ऐसित :-

- 1- शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश ।
- 2- मण्डलीय तंगुका शिक्षा निदेशक, ~~मण्डलीय तंगुका शिक्षा निदेशक~~ ।
- 3- जिला विधानय निरीक्षक, ~~जिला विधानय निरीक्षक~~ ।
- 4- निरीक्षक, झांग भारतीय विधानय, उ०५०, लखनऊ ।
- 5- प्रबंधक, ~~झांग भारतीय विधानय निरीक्षक~~ ।
- 6- गार्ड बुक ।

आहा ते,

मिशन इन्डिया इन्डिया
श्रेष्ठानुभोदन